



भारत का राजपत्र The Gazette of India

K
19.3.84

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3]
No. 3]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 21, 1984/माघ 1, 1905
NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 21, 1984/MAGHA 1, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जुन रॉय

आयकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] की धारा 269ए [1] के

अंशानुसूचनार्थ
नानपुर, 16 जनवरी, 1984

निर्देश नं० एम-607/82 :—अन. सुब्बे, पी. एन. पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 11076 है तथा जो गहावनपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूषी में और पूर्ण रूप से अर्पित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायनपुर में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-4-83 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अन. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री इन्दजीत सिंह सचदेव, सुपुत्र कुरवंस सिंह सचदेव, निवासी—
छन्दपुरी काकोनी, गहावनपुर (अन्तरिक)
2. श्रीमती डा० रामनी मिश्रानी, पति डा० मनीष कुमार मिश्रानी, अम्बाला रोड, गहावनपुर (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्ट किन्हीं अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 2/1368/I दो मंजिल मिशन कम्पाउण्ड,
सहारनपुर।

तारीख : 16/1/84

संहर :

MINISTRY OF FINANCE

(Central Board of Direct Taxes)

Officer of the Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range

Notices under section 269-D(1) of the Income
Tax Act, 1961 (43 of 1961)

Kanpur, the 16th January, 1984

Ref. No. M-607/82.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 11076 situated at Saharanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 11-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S/Shri Indtrejeet Singh Sachdeva, S/o Harbans Singh Sachdeva, R/o Inderpuri Colony, Saharanpur (Transferor).
2. Dr. Smt. Ragni Miglani, W/o Dr. Satish Kumar Miglani, Ambala Road, Saharanpur (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. 2/1368/I (Double Storeyed) Mission Compound, Saharanpur.

Dated : 16-1-84

Seal :

निवेदन नं० एम-1334/82-83 :—अध. मं. पी. एन. पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० में अधिक है और जिसकी नं० 2517 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप

से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-4-83 को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मूल्य यह विवक्षित करने का कारण है कि मयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से एक अन्तरण, विवक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिस्व में तमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269C की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पा कुमारी देवी, पत्नी स्व० मेजर जन० कामता प्रसाद, निवासी—8वीं, पडमा रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रानी सरोज देवी, पत्नी राजा हरेन्द्र सिंह निवासी—15, बलबीर एवेन्यू, दालानवाला, देहरादून।

(अन्तरिणी)

3. श्रीमती सराज देवी, अन्तरिणी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के राजेन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के राजेन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही प्रयुक्त होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 42 एकड़ वाले मोजा—धर्मपुर, महल कुवर तंग बहादुर सिंह, देहरादून।

तारीख : 16-1-81

मोहर :

Ref. M-1334/82-83.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 2517 as per Schedule situated as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 25-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shrimati Pushpa Kumari Devi, w/o Late Major Gen. Kanta Prasad, R/o 8/B, Laxmi Road, Dehradun.

..... Transferor

2. Shrimati Rani Saroj Devi, w/o Raja Harendra Singh, R/o 15, Balbir Avenue Dalanwala, Dehradun.

..... Transferee

3. Shrimati Saroj Devi, Transferee (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 42 acre at Mauja, Dharampur, Mahal Kr. Tegh Bahadur Singh, Dehradun.

Dated : 16-1-84

Seal :

निर्देश नं० एम-1310/82-83 :—अतः मुझे, पी. एन. पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1789 है तथा जो मो० रामजी द्वारा, मथुरा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-4-83 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से मुक्त, अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे घटाने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्त या अन्य आस्तिकता की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री वैद्य पुरुषोत्तम श्याम, पुत्र श्री यशपाल श्याम, निवासी—रामजी द्वारा, शहर—मथुरा

(अन्तरक)

2 श्री श्री नाथ, पुत्र श्री प्रीतम बॉम्बे एवं अन्य लाभ, निवासी—नगला—नाथगा, मथुरा

(अन्तरिती)

3 श्री/श्री. नाथ (अन्तरितः) (यह व्यक्ति, जिसके नाम अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अन्त के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अन्त के अन्त्य में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्पश्चात् वास्तविक रूप से सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाञ्छी किंवा अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क से परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तिसवाला मकान क्षेत्रफल 110.50 वर्ग मी० पार्क मी० रामजी द्वारा, मथुरा।

तारीख : 16-1-84

महंश :

Ref. No. M-1310,82-83.—Whereas 1. P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 1789 as per Schedule situated at Mathura as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 15-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Vaidya Purshottam Vyas, S/o Shri Brij Lal Vyas, R/o Ramji Dwara, Mathura.

.....Transferor

2. Shri Shri Nath, S/o Shri Pritam Chaube and others, R/o Nagla-Paysa, Mathura.

.....Transferee

3. S/Shri —do—

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

One third storeyed house measuring 110.50 sq. mtr. situated at Mohalla, Ramji Dwara, Mathura.

Dated : 16-1-84

निवेदन नं० एम्-1315/82-83 :—अतः मुं० पी. एन पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 2 कि पत्रार्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अन्तर्गत माला प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि माला माला, निवाहा उच्च बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसका म० 10735 है तथा जो 116, राहटमंज जर्की, गजियाबाद में स्थित है (और इसमें उक्त अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजपूताना अधिकारी के कार्यालय, गजियाबाद में, राजपूताना अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख 27-1-83 को पूर्वोक्त माला के उच्च बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त माला का उच्च बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पत्रार्थ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में योम्निक रूप से गणित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निताओं की निम्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पवन कुमार व नरेंद्र कुमार, पुत्रगण—श्री वेद प्रकाश, निवासी राहटमंज जर्की, गजियाबाद गेज (गिरान)

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्रीमती देवी, पत्नी श्री पवनगण राहटमंज जर्की, निवासी—ग्राम—वेर नगर, सिद्धाजी, गजियाबाद।

(अन्तरिक्षी)

3. श्रीमती अन्तरिक्षी (वह व्यक्ति, जिनके अधिनियम में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त माला के अर्जन के लिए

कार्यवाहियों शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त ग्याजर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्तावेजों के पास लिखित में लिगु जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नम्बरी 81 व 82 का जुड़ा भाग क्षेत्रफल 133 वर्गगज और 116, राईटगंज शर्की, गाज़ियाबाद में स्थित है।

तारीख : 16-1-84

मोहर :

Ref. No. M-1315/82-83.—Whereas I. P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at 116, Right Ganj Shark, as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax

Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Pawan Kumar & Narendra Kumar
S/o Sri Ved Prakash, R/o Right-
ganj Sharki, Ghaziabad (Rosan Giran).
..... (Transferor)

2. Shrimati Veena Devi, w/o Shri Ghan-
shyam Dass and others, R/o village.
Ner Nagar, Sihani, Ghaziabad.
..... (Transferee)

3. S/Shri —do—
..... (Persons in occupation
of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

One shop No. 84 and 82 measuring 132 Sq. yds. at No. 116, Rightganj, Sharki, Ghaziabad.

Date : 16-1-84

निवेश नं० एम-1307/82—अतः मुझे पाठक, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'सूक्त अधिनियम' कहा गया) के धारा 269-ख के अर्जित मन्त्र प्राधिकारी का यह विष्णु करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसका सं० II-सी-5 है तथा जो नेहरूनगर में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाधिक के कार्यालय गाज़ियाबाद में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जित तारीख 15-4-83 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृष्टिकोण प्रतिकूल के लिए उत्तरित है, गई है और मुझे यह विश्वास

कारन का कारण है कि वहापूँर्बोधन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिका (अन्तरिकतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिना नष्ट पाया गया अन्तरिका, निम्नलिखित अंशों में सूक्त अन्तरण निहित है वास्तविक रूप में उचित नहीं दिया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किरा आश का जबरन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व से कर्म करने या उससे धर्चने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसे किरा आश या किमां एवं या अन्य आशियों का जिले गारुडन आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनां अन्तरिका द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या किया जाना चाहित था, किमान में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम का धारा 269-ग को उल्लेख (1) के अधिनियम निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् ---

1. श्री मोहिनंदर कुमार एवं अमर नाथ नि० के० एफ०-34
(अन्तरक) (अन्तरिका)

2. श्री भिमसेन एवं आत्मा राम नि० के० डी०-59
(अन्तरक) (अन्तरिका)

3. श्री भिमसेन (यह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सम्बन्धित व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में सम्मान होती हो, के अन्तर पूर्णतः व्यक्तियों में से किये व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के अन्तर उक्त स्वायत्त सम्पत्ति में द्वितीय किमां अथवा व्यक्ति द्वारा अवैतनाधार के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

गण्टाकरण --- यदि प्रयुक्त जन्म और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-ग में परिभाषित है, उक्त अधिनियम को उक्त अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत

पत्राट नं० II-म/5 केन्द्र तार, गाजियाबाद

तारीख--- 17.10.84

दिनांक 16-1-1984

मोहिनंदर

Ref. No. M-1307/82.—Whereas I, P. N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have

reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 15-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Mohinder Kumar S/o Amar Nath R/o K. F.--34, Kavi Nagar, Gaziabad. (Transferor)

2. Shri Bhimsen S/o Atma Aam R/o K. D--59, Kavi Nagar, Gaziabad. (Transferee)

3. Shri Bhimsen S/o Shri Atma Ram (Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Plot No. II—C/5 Nehru Nagar, Gaziabad,
Area—479.40 sq. meter.

Date : 16-1-84

Seal :

निदेश सं० एम-1314/82 :—अनः भूखे पी० एन पाठक, आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को द्वारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10522 है तथा जो गाज़ियाबाद में स्थित है (और इसमें उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय गाज़ियाबाद में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अर्जित तारीख 22-4-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रतिकार के लिए अनुरोध को रद्द है और यही यह विज्ञापन करने का कारण है कि पदपूर्वगत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्टान्त प्रतिकार के, ऐसे दृष्टान्त प्रतिकार के पक्ष में प्रमाणित से अधिक है और अन्तरगत (अन्तरगतों) और अन्तरगत (अन्तरगतों) के बीच ऐसे अन्तरगत के लिए तब पाया गया प्रमाण लिखित उद्देश्यों से अन्तरगत, लिखित से अन्तरगत रूप से वर्णित रही किया गया है :—

(क) अन्तरगत से हुई किसी अन्य का बाजार आधार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्जित रूप से के अन्तरगत के दृष्टान्त में वर्णित करने पर उक्त वर्णित से स्थावर के लिए और/या,

(ख) ऐसे किसी अन्य का किसी अन्य या अन्य आधिकारिक व। जिसे भारत में अन्तरगत अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्तरगत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरगत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग में अन्तरगत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया जा रहा था, लिखित से स्थावर के लिए;

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरगत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, लिखित दृष्टान्तों, अर्थात् :—

1. श्री गोमनाथ सुपुत्र श्री हरदेव निवासी ग्राम गहजाद, पुर गाज़ियाबाद, गाज़ियाबाद, (अन्तरगत)

2. श्री फकीरदा गढ़ी सुपुत्र श्री गेहरी गढ़ी निवासी गहजादपुर परगना गाज़ियाबाद, जि० गाज़ियाबाद (अन्तरगत)

3. क्रेता के तहत में है । (यह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

का यह सूचना ज०, करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जित के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन की अवधि या लम्ब-चर्ची व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से

30 दिन की अवधि का भी अवधि बाद में समाप्त होनी है।
किसी भी व्यक्ति के अधिकारों में से किसी व्यक्ति के अधिकार;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन के बाद उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तरगतधारी के पक्ष में लिखित में किए जा सकते हैं ।

सन्दर्भ :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अन्तरगत अधिनियम, 1961 (1961 का 43), के अर्जित 200 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो इन अधिनियम में दिया गया है ।

अनुसूची

खेती की जमीन ग्राम गहजादपुर

परगना गाज़ियाबाद

जि० गाज़ियाबाद

सं० : 16-1-1984

मोहर :

Ref. No. M-1314/82.—Whereas I, P. N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the

issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Shobh Nath S/o Shri Hardeo,
R/o, Gram Shahzadpur, Pergana Jalalabad,
Distt. Ghaziabad. Transferor
2. Shri Faquira Sharma S/o Sri Ganeshi
Sharma, R/o Gram—Shahzadpur,
Pergana Jalalabad, Distt. Ghaziabad.
. Transferee
3. Shri As in 1 above.
. (Person in occupation
of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural land at village—Shahzadpur,
Pergana Jalalabad, Distt. Ghaziabad.

Date : 16-1-84

Seal :

निवेदन नं० एम-1313/82—जहाँ मूजे, पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 41) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10102 है तथा जो कश्तनगर, गाजियाबाद में स्थित है (और इस से उभावद्ध अनुसूची में और एवं रूप से वर्णित है) अधिस्तुकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में अधिस्तुकरण अधिनियम, 1998 (1998 का 16) के अधीन तारीख 16-4-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृणमान प्रतिकर के निम्न अन्तर्गत की गई है और नुमसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वर्णमान प्रतिकर से, ऐसे वर्णमान प्रतिकर के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिका (अन्तरिकतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह पाता गया प्रतिकर विनिश्चित उद्देश्यों से गुप्त अन्तरण निश्चित से वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :—

(क) प्रत्येक संदर्भित विषय, यावत् जो सत्य, उक्त अधिनियम, के अधिनियम के अन्तर्गत के अधिकार में लाने करने या लाने के लिए सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसे किया जाय या हिसाब आया जाय, कश्तनगर के जिले भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या पान-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिका द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूचन में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन गोपाल भाटिया, मुख्य और प्रकाश भाटिया, जे-8/128 राजेंद्र आर्ट्स, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती सुमित्रा देवी अरोड़ा पन्ना, बीमनाथ अरोड़ा, पं-10/35 इकबाल गंज, लुधियाना (पंजाब) (अन्तरिकी)

3. श्री मदन गोपाल भाटिया (वह व्यक्ति जिसके अधिमोक्ष में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियों शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० के० जी०-45,

व्याक "जी" कश्तनगर, गाजियाबाद।

तारीख : 16-1-84

संकेत :

Ref. No. M-1313/82.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 10102 situated at Ghaziabad and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 16-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the Act to the following persons, namely :—

1. Shri Madan Gopal Bhatia, S/o Om Prakash Bhatia R/o J-8/128, Rajouri Garden, Delhi.
..... (Transferor)
2. Smt. Sumitra Devi Arora, W/o Som Nath Arora, R/o B-10/135, Iqbal Ganj, Ludhiana (Punjab).
..... (Transferee)
3. Shri As in 1. above.
..... (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter

XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. K-G/45, Block No. 'G', Kavi Nagar, Ghaziabad.

Date : 16-1-84

Seal :

निवेश नं० एम-1306/82 :—अन. मुने, पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9527 है तथा जो रामनगर, गाजियाबाद में स्थित है (और इसके उपानुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-4-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पक्ष में प्रतिष्ठित है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरनितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्यों में एक अन्तरण, निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रकारक क दायित्व में करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों की जल्द भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरणों द्वारा अन्तर नहीं किया गया या या किया जाता अन्तरण या अन्तरण में सुविधा के लिए ।

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269अ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

- 1 श्रीमती यलका चौधरी, पत्नी गुलजार सिंह,
निवासी घरधरा, नं० 48, जिला प्रयोगशाला,
नं० 524-ए, रामनगर, गाजियाबाद । (अन्तरक)
- 2 श्रीमती नीलम कौश पत्नी नरेन्द्र मोहन
कोठी, नि० 524, रामनगर, गाजियाबाद
..... (अन्तरिनी)
- 3 श्रीमती/कुमारी कृता के करने में है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से

50 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पादित होती हो, के अंतर्गत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षर को पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रवर्द्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 208 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुर्बर्षी

संज्ञान नं० 524 का पश्चिमी भाग रामनगर, गाज़ियाबाद

तारीख 16-1-84

सोहर :

Ref. No. M-1306/82.—Whereas I, P.N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 9527 as per Schedule situated at Ram Nagar, Ghaziabad as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 7-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section

269-D of the said Act to the following persons namely :—

- Smt. Alka Chaudhry W/o Sri Gulzar Singh R/o Gharbara, Teh. Khair Distt. Aligarh. Transferor
- Smt. Neelam Koda W/o Shri Narendra Mohan Koda R/o 524, Ram Nagar, Ghaziabad. Transferee
- do- (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. 524, Western Part Ram Nagar, Ghaziabad.

Dated : 16-1-84

Seal :

निवेदन नं० एम-824/82.—जहाँ मैं एक पंडित, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे शर्तों पर चर्चा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-B की शर्तों पर सम्पत्ति का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसका नं० 15040 है तथा जो लक्ष्मपुर, आगरा में स्थित है (और उसमें आशंकित धनुर्बर्षी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-4-83 को पंजीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, जिस दृश्यमान प्रतिफल के द्वारा प्रतिगत में अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तर्गत) और वित्तिकी (अन्तर्गत) के बीच में प्रत्यक्ष के लिए नग्न तथा प्रत्यक्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से यथा प्रत्यक्ष, निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से किया गया है।

(क) प्रत्यक्ष में हुई किसी तरह की आयकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के आयकर से सम्बन्धित करने या उसमें सम्बन्धित न कराने के अर्थ में और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य साधनों की जिम्मेदारी भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था; स्थान में गृहिष्ठा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर कार्य :-

1. श्री कुंवर सूरज पाल सिंह
पुत्र श्री कुंवर प्रबल प्रताप सिंह, निवासी 23/282,
बजौर पुरा, आगरा..... (ग्रन्थि)
2. श्री सत्यपाल सिंह, मन्त्रि
चेतना सहकारी आवास समिति लि., आगरा..... (ग्रन्थि)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी सूरज पाल सिंह आदि (बहु व्यक्ति, जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

जमीन खेत नं० 23/17 बाके मौजा, लशकारपुर, आगरा

तारीख : 16-1-84

मोहर

Ref. No. M-824/82.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 15040, as per schedule situated at Lashkarpur, Agra as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 4-4-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :-

1. Shri Kunwar Surajpal Singh S/o Kanwar Prabal Pratap Singh R/o 23 282, Wazirpura, Agra
..... Transferee
2. Shri Satya Pal Singh, Secretary M/s. Chetna Sahkari Avas Samiti Ltd., Agra.
..... (Transferor)
3. As in (1) above (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land No. 23/17 A Village Lashkarpur, Distt. Agra.

Dated : 16-1-1984.

Seal

निदेश नं० के०-168/के एन पी/83-84 :—अतः सूत्र पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिकतम और शिपकी नं० 6189 है तथा जो कानपुर (पनकी) में स्थित है (और इसमें उपा-पद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-4-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित को गई है और सूत्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिनी (अन्तरनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मसर्स आलोक सर्जिकल एण्ड प्रसाईड प्रोडक्ट्स, 32/131, मनीराम बगिया, कानपुर। (अन्तरक)
2. मैसर्स मोती सर्जिकल उद्योग, 26/109-बी, बीरहाना रोड, कानपुर। (अन्तरिनी)
3. मैसर्स आलोक सर्जिकल उद्योग 32/131, मनीराम बगिया, कानपुर। (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जित के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहम्नाथरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची :—

प्लॉट नं० बी-28, पनकी इन्डस्ट्रियल एरिया, सार्वजनिक नं० 1, कानपुर।

तारीख : 14-1-1984

साहू।

Ref. No. K-168|KNP|83-84.—Whereas I, P.N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 6189 situated at Kanpur (Panaki) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 5-4-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Alok Surgical and Allied Products, 32/131, Bagia Mani Ram, Kanpur.

(Transferor)

2. M/s. Moti Surgical Udyog P. Ltd. 26.109 B, Birhona Road, Kanpur.

(Transferee)

3. As in (1) above

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. G-28 Panki Industrial Area, Site No. I, Kanpur.

Dated : 16-1-84

Seal

कानपुर, 12 जनवरी, 1984

निर्देश नं० एम/1303/82 :—अन. मुझे पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उल्लिखित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9466 है तथा जो गाझियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाझियाबाद में, रजिस्ट्रार ऑफ अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-4-83 का पूर्वाज्ञापन के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिकी (अन्तरिकी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब प्रयास किया जाना चाहिये, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टि के लिए और/या;
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सृष्टि के लिए;

अब अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूचा में से उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पाक्षी बहल, पत्नी श्री प्रेम लाल बहल, निवासी ए-62, ए फौजम काजोनी, नयी दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री एडमंड कन्सलटेन्सी लि०, 37-मैरी निफेन माउन्ट मैरी चर्च रोड, बान्द्रा, बम्बई (अन्तरिकी)

3. अन्तरिकी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है।)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वाज्ञापन सम्पत्ति के धर्जे के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जे के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि, या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना दी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वाज्ञापन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञातस्वाक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

आवेदन — इसमें युक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

कृषि भूमि 20 बोघा पुन्ना, स्थिति आना नं० 656 आय-कसना, परगना-डमरा, महेसोब व जिला-गाझियाबाद।

तारीख : 12-1-84

माहद

Kanpur, the 12th January, 1984

Ref. No. M/1305/82.—Whereas, I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 9466 situated at Ghaziabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 7-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the

purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Pushpa Wati Bahal W/o Shri Prem Nath Bahal, R/o. A-62, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

2. M/s. Tondon Consultancy Ltd, 37-Merry Niketan, Mount Merry Church Road Bandra, Bombay.

(Transferee)

3. M/s. -do-

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land 20 Bighas Pukhta situated in Khata No. 656, of village Dasna, Pargna Dasna, Tehsil & Distt. Ghazialbad.

Dated : 12-1-84

Seal :

कानपुर, 13 जनवरी, 1984

निर्देश सं० एस 1309/82 :—अतः मुझे पी०एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन मजूम प्राधिकारी को यह लिखित करने का कारण है कि न्यायकर सम्पत्ति जिगका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1815 है तथा जो मथुरा, उम्पीयर नगर में स्थित है (आर इससे उगावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रथम तारीख 10-4-83 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

अधिकृत के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विचार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान दायित्व से ऐसे दृश्यमान अधिकृत के पक्ष में अतिरिक्त है और सम्पत्ति (अन्तर्गत) और सम्पत्ति (अन्तर्गत) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए का पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्यों से प्राप्त अन्तरण, लिखित में आधिकारिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की मात्रा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत दायित्व में कमी करने या उसमें कमी में सुविधा के लिए आर या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्त या अन्य आयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदोषनायक सम्पत्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या लिया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ख के अनुसरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उप धारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों; अधीन :—

- 1 स्वामी खेम चन्द मण्डल मन्त्री लाल गन्धर्व पुरा बुन्देलख (अन्तर्गत)
- 2 श्री बन्धु लाल गरी मण्डल रमन लाल किराची शर्मा मन्त्री रामगोपी रामपाल मन्त्री (अन्तर्गत)
- 3 श्री/श्रीमति/कुमारी अन्तर्गति (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्तावेजों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त चरखे और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मन्तल-उम्पीयर नगर 1950-मथुरा

ता. 13-1-84

मोहर

Kanpur, the 13th January, 1984

Ref. No. M-1309/82.—Whereas I, P. N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 1815 situated at Mathura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 10-4-83 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S/Shri Swami Khem Chand S/o Munni Lal, Patharpura, Mathura.
(Transferor)
2. S/Shri Chandra Bhan Garg S/o Raman Lal Karachi wale, Mandi Ram Gali Ram Pal, Mathura.
(Transferee)
3. S/Shri —do—
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1950, Dapiar Nagar, Mathura.

Date 13-1-84

Seal:

निर्देश सं० एम-1379/82-83 :—अन भूखे पीपल ० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन गणम अधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 104 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और हमारे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-4-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरण की गई है और भूखे यह विश्वास करने का कारण है कि क्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, लिखितलिखित उद्देश्यों से मुक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में नमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

1. श्री वीरेन्द्र कुमार अरोड़ा सुपुत्र भानामल अरोड़ा, 59-सी राजपुर रोड, देहरादून (अन्तरक)
2. डा० अणोक कुमार गुप्ता सुपुत्र निरमल लाल, 28-राजा रोड, देहरादून (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आगे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समदन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पाए लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संकात नं० 28, राजरोड, देहरादून।

प.० नं० पाठक,

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),

(अर्जेन रेंज), कानपुर

तारीख 13-1-84

संदर्भ :

Ref. No. H-1379/82-83.—Whereas I, P.N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 104, situated at Dehradun, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 30-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for

the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

- Shri Virendra Kumar Arora, C/o. Bhana Mal Arora 59-C Rajpur Road, Dehradun.
(Transferor)
- Dr. Ashok Kumar Gupta, S/o Nand Lal, R/o. 28 Raja Road, Dehradun.
(Transferee)

- Shri -do-
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. 28, Raja Road, Dehradun.

P. N. PATHAK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range,
Kanpur

Date 13-1-84
Seal

